आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 193 | उज्जैन, बुधवार 04 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्राकृति का अद्भुत वरदान एवं अद्वितीय नैसर्गिक देन है पचमढ़ी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक पेड़ मां के नाम卐 अभियान का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह के शौर्य, बलिदान एवं साहस को स्मरण कर उनकी स्मृति में आयोजित केबिनेट बैठक के उपरांत ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह उद्यान पहुंचकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अपनी माताजी के नाम पर आम का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पचमढ़ी प्रकृति के द्वारा दिया गया अद्भुत वरदान और अद्वितीय नैसर्गिक देन है। इसके विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य करेगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भी अपनी-अपनी माताजी के नाम से आम के पौधों का रोपण कर अभियान में सहभागिता की। कार्यक्रम में राज्य सरकार के अन्य मंत्रीगण भी उपस्थित रहे। सभी मंत्रीगणों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण कर ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान को सार्थक स्वरूप प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह उद्यान बाल उद्यान के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री द्वारा इस उद्यान का नाम वीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में राजा भभूत सिंह उद्यान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों से संघर्ष कर देशभक्ति की जो मशाल जलाई थी, वह अद्वितीय और प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ÷विरासत से विकास÷ के उद्घोष के अनुरूप स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को स्मरण कर रही है और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी को आदि काल से अद्भुत प्राकृतिक धरोहर बताया और कहा कि सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह जैसे योद्धाओं की वीरगाथाएं बसती हैं।

चीन में आपका दोस्त, UNSC में आतंकियों को बचाने के लिए शशि थरूर ने पाकिस्तान पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सयुंक्त राष्ट सुरक्षा परिषद में आतंकियों को समर्थन देने के लिए शशि थरूर ने पाकिस्तान और बीजिंग दोनों की आलोचना की। सर्वदलीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में आतंकवादी समूहों के मद्दनेजर पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए चीन पर भी कटाक्ष किया है।

संयुक्त राष्ट में लश्कर-ए-तैयबा समर्थित मोर्चे को बचाने में बीजिंग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा,हम संयुक्त राष्ट प्रतिबंध समिति को समय-समय पर आरएफ के बारे में रिपोर्ट करते रहे हैं, और जब भारत ने सुरक्षा परिषद में अपने मित्रों को सुरक्षा परिषद की तरफ से जारी प्रेस वक्तव्य में प्रतिरोध मोर्चे का उल्लेख करने के लिए प्रोत्साहित किया, तब भी हमने इस बारे में रिपोर्ट की थी।

शशि थरूर ने इस्लामाबाद और बीजिंग पर कटाक्ष करते हुए कहा,मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि पाकिस्तान सरकार ने चीन में अपने दोस्त के समर्थन से नाम हटा लिया है, इसलिए इसका कोई संदर्भ भी नहीं है। हम सुरक्षा परिषद में नहीं हैं और न ही आप हैं। पाकिस्तान अपने दोस्त चीन की मदद से हर बार आतंकियों की सुरक्षा करने में सफल हो जाता है।

देश में 4 हजार से ज्यादा हुए कोरोना के मामले, 24 घंटे में पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस ने एक बार फिर देश में दस्तक दे दी है। देश के कई राज्यों में कोरोना के केस तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं पिछले 24 घंटों में कोरोना के कारण 5 लोगों की जान चली गई। देश में कोरोना के मामले 4,000 के आंकड़े को भी पार कर चुके हैं।

कोरोना के एक्टिव केस- स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में कोरोना के कुल 4026 एक्टिव केस हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले केरल (1416) में देखने को मिल रहे हैं। इसके अलावा दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (494) और तीसरे नंबर पर गुजरात (397) में कोरोना के एक्टिव केस मौजूद हैं। वहीं 393 एक्टिव मामलों के साथ देश की राजधानी दिल्ली चौथे नंबर पर है।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो राजधानी दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केसों गिरावट देखने को मिली है। दिल्ली में कोविड के 90 एक्टिव केस कम हुए हैं। वहीं गुजरात में सबसे ज्यादा (59) एक्टिव केस मिले हैं।

48 घंटे जंग लड़ना चाहता था पाकिस्तान, लेकिन 8 घंटे में किया सरेंडर, सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस अनिल चौहान ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के कार्यक्रम फ्यूचर वॉर्स एंड वारफेयर में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा, 10 मई को लगभग 1 बजे, पाकिस्तान का उद्देश्य 48 घंटों में भारत को अपने घुटनों पर लाना था। कई हमले किए गए और किसी तरह से, उन्होंने इस लड़ाई को बढ़ाने की कोशिश की। वहीं हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था।

पाकिस्तान को हुआ गलती का एहसास- सीडीएस ने आगे कहा, ऑपरेशन जो उन्होंने सोचा था कि 48 घंटे तक चलेगा, लगभग 8 घंटे में बंद हो गया और फिर उन्होंने टेलीफोन उठाया और कहा कि वे बात करना चाहते हैं। अनिल चौहान ने आगे कहा, पाकिस्तान को एहसास हो गया होगा अगर वो युद्द लड़ता है तो उसे हार ही मिलेगी। आतंकवाद सही तरीका नहीं है।

जनरल अनिल चौहान ने कहा कि इस टकराव की शुरुआत पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हुई थी। क्या आतंकवाद को युद्ध का सही तरीका माना जा सकता है? मुझे नहीं लगता, आतंकवाद इसका सही तरीका है, क्योंकि इसका कोई तय नियम नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे दुश्मन भारत को नुकसान पहुंचाना चाहता था, लेकिन वो ऐसे करने में नाकाम रहा।

हमने आतंकवाद के खिलाफ नई रेखा खींची- अनिल चौहान ने आगे कहा, युद्ध उतना ही पुराना है, जितनी मानव सभ्यता। किसी भी तरह के युद्ध में दो महत्वपूर्ण तत्व होते हैं- हिंसा और हिंसा के पीछे की राजनीति तीसरा तत्व है आपसी बातचीत, जो लगातार हो रही है।

पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता, भारतीय प्रतिनिधिमंडलों ने आतंक के खिलाफ एकजुटता पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश गए भारतीय प्रतिनिधिमंडलों ने सोमवार को कई देशों के नेताओं से मुलाकात की और आतंकवाद से लड़ने के भारत के संकल्प को दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानवता के हित में आतंकवाद को समाप्त किया जाना चाहिए। लंदन में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने भारत-प्रशांत मंत्री कैथरीन वेस्ट से मुलाकात की। कैथरीन ने उन्हें बताया कि आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों में ब्रिटेन भारत के साथ है। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद से अपने दम पर निपटने के भारत के संकल्प को दोहराया।

आतंकवाद सभी देशों के लिए खतरा- प्रतिनिधियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवाद सभी देशों के लिए खतरा बना हुआ है। इसलिए दुनिया को मानवता के हित में इस संकट को मिटाने की जरूरत है। कैथरीन वेस्ट ने पहलगाम आतंकी हमलों की निंदा की और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता के लिए भारत के योगदान की सराहना की। बंद कमरे में हुई इस बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने इंडिया हाउस में ब्रिटेन स्थित कुछ अग्रणी थिंक टैंकों के प्रतिनिधियों के साथ गहन विचार-विमर्श किया।

प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस का दिया संदेश- अल्जीरिया में भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चार देशों (बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया) की अपनी यात्रा पूरी की और आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस का संदेश दिया।

इसरो ने अपने नाम हासिल की बड़ी उपलब्धि, सेमीक्रायोजेनिक इंजन का तीसरा हॉट टेस्ट सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पावर हेड टेस्ट आर्टिकल (पीएचटीए) का तीसरा हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर मील का पत्थर हासिल किया है। तमिलनाडु के महेंद्रगिरि के इसरो प्रोपल्शन कांप्लैक्स (आइपीआरसी) में यह सफल परीक्षण किया गया।

इसरो के अनुसार, इसरो के राकेट में सेमीक्रायोजेनिक इंजन का उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ये परीक्षण किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि इसरो सेमी-क्रायोजेनिक इंजन विकसित कर रहा है।

छह साल में पहली बार होगा ऐसा..., जी-7 शिखर सम्मेलन से दूर रह सकते हैं पीएम; क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। छह वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन से दूर रह सकते हैं। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि पीएम मोदी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में होने वाले सम्मेलन में शामिल नहीं हो सकते हैं।

कनाडा की मेजबानी में 15 से 17 जून तक होने वाले सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया की स्थिति जैसी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, कनाडा ने अभी तक प्रधानमंत्री मोदी को सम्मेलन के लिए निमंत्रण नहीं भेजा है, लेकिन मोदी के वहां जाने की संभावना नहीं है। क्योंकि दोनों देशों के मौजूदा संबंधों के मद्देनजर इस तरह की यात्रा के लिए बहुत अधिक तैयारी की आवश्यकता होती है।

भारत कनाडा के संबंध हो गए थे बेहद तनावपूर्ण- भारत-कनाडा के संबंध उस समय बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, जब 2023 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। हालांकि, गत अप्रैल में संसदीय चुनावों में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी की जीत से संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में क्या कहा- हाल ही में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत ने कनाडा को खालिस्तान समर्थकों के संबंध में अपनी सुरक्षा चिंताओं से लगातार अवगत कराया है। उनसे आग्रह किया गया है कि हिंसा और अलगाव का समर्थन करने वाले चरमपंथी तत्वों को राजनीति में कोई स्थान नहीं मिलना चाहिए। इस बयान से जाहिर होता है कि कनाडा की नई सरकार की ओर से भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए अभी तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है।

इसके अलावा नई दिल्ली और कनाडा के बीच एक-दूसरे के उच्चायुक्तों को बहाल करने के लिए कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। 2023 में प्रधानमंत्री मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए जापान के हिरोशिमा गए थे, जबकि 2022 में जर्मनी की यात्रा की थी। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा और जापान शामिल हैं। कनाडा वर्तमान में जी-7 की अध्यक्षता कर रहा है।

कब सुधरेगा पाकिस्तान? आतंकियों की रैली में शामिल हुए पंजाब प्रांत के स्पीकर, कहा- हमने 1971 का बदला ले लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान में नेताओं और आतंकियों के बीच का फर्क अब खत्म होता हुआ नजर आ रहा है। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इसका एक चौंकाने वाला उदाहरण हाल ही में देखने को मिला। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष मलिक अहमद खान एक रैली में लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी और आतंकी संगठन के नेता हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद के साथ मंच पर नजर आए।

पाक ने आतंकी कसूरी को बताया निर्दोष- स्पीकर मलिक अहमद खान ने सैफुल्लाह कसूरी का बचाव किया। जब पत्रकारों ने मलिक अहमद खान से रैली में उनकी मौजूदगी के बारे में पूछा, उन्होंने कहा सही जांच के बिना कसूरी को दोषी नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कसूर शहर से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है, इसलिए वो रैली में शामिल हुए।

लश्कर आतंकी ने किया 1971 के बदले का दावा - रैली में लश्कर के डिप्टी चीफ सैफुल्ला कसूरी ने कहा, 10 मई को हमने 1971 का बदला ले लिया। अमेरिका की तरफ से घोषित आतंकी सैफुल्लाह कसूरी और मजम्मिल हाशमी ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश की हार का बदला ले लिया है।

तल्हा सईद और कसूरी की रैली में मौजूदगी भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कई दिन बाद देखी गई, इस रैली में लश्कर के आतंकवादियों की तरफ से 1971 के युद्ध में पाकिस्तान की हार का बदला लेने का जश्न मनाया जा रहा है।

रैली में दिए नफरत भरे बयान - 28 मई को गुजरांवाला में एक रैली में मुजम्मिल हाशमी और अन्य लोगों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए नफरत भरी टिप्पणियां कीं। मोदी, आपकी मिसाइलों से हमारे बच्चे नहीं डरे।

टैरिफ पर व्यापार वार्ता चाहता है अमेरिका, ट्रंप प्रशासन ने कई देशों से मांगे प्रस्ताव; क्या है US प्रेसिडेंट का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि दूसरे देश बुधवार तक व्यापार वार्ता पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव प्रस्तुत करें, क्योंकि अधिकारी फिर से टैरिफ लागू होने की पांच सप्ताह की समय सीमा से पहले कई साझेदारों के साथ वार्ता में तेजी लाना चाहते हैं। इस सिलसिले में वार्ता साझेदारों को मसौदा पत्र भेजा गया है।

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा तैयार मसौदे से इस बात का संकेत मिलता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किस प्रकार दर्जनों देशों के साथ जटिल वार्ता को

अंतिम रूप देने की योजना बना रहे हैं। यह वार्ता नौ अप्रैल को शुरू हुई थी, जब उन्होंने अपने टैरिफ को 90 दिनों के लिए (आठ जुलाई तक) रोक दिया था, क्योंकि स्टाक, बांड और मुद्रा बाजारों में काफी उथल-पुथल मच गई थी।

व्यापार वार्ता चाहता है अमेरिका- इस दस्तावेज से यह भी पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन किस तरह समय सीमा के भीतर व्यापार वार्ता को पूरा करने के लिए तत्पर है। व्हाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट जैसे अधिकारियों ने बार-बार वादा किया है कि कई समझौते पूरे होने वाले हैं। दूसरी तरफ अभी तक केवल एक समझौता अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार ब्रिटेन के साथ हुआ है।

मसौदा दस्तावेज के अनुसार, अमेरिका दूसरे देशों से कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावों की सूची बनाने के लिए कह रहा है। इनमें अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों की खरीद के लिए टैरिफ प्रस्ताव तथा किसी भी गैर-टैरिफ बाधा को दूर करने की योजना शामिल है।

ग्रीस में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, तुर्किए तक महसूस किए गए झटके

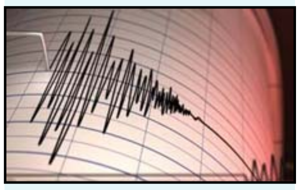

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रीस के डोडेकेनीज द्वीप क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता इतनी तेज थी ये झटके तुर्किये तक महसूस किए गए। तुर्किये में भी भूकंप के झटकों से धरती हिल उठी है।

रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की गहराई 68 किलोमीटर थी। ग्रीस की सीमा तुर्की से लगती है, इसलिए ऐसे में तुर्की में भारी तबाही की संभावना है। तुर्किये के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में यूएई समयानुसार सुबह 3:17 बजे यह भूकंप दर्ज किया गया।

तुर्किये में क्यों आता इतना भूकंप- तुर्किये में हर दूसरे महीने भूकंप के झटके लगते रहते हैं और इस क्षेत्र को भूकंप के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक स्थानों में से एक माना जाता है। तुर्किये के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण (एएफएडी) के आंकड़ों के अनुसार अकेले साल 2020 में 33,000 से अधिक भूकंप की घटनाएं यहां देखने को मिली, जिनमें से 322 की तीव्रता 4.0 से भी अधिक थी।

पाकिस्तान में महसूस किए गए थे झटके - वहीं इससे दो दिन पहले पाकिस्तान में 4.2 मापी गई है।

कराची की जेल में कैदियों ने ढूंढा आपदा में अवसर, भूकंप से कमजोर हुई दीवारें; तोड़कर कई फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से अजीबोगरीब घटना सामने आई है। पाकिस्तान के कराची में भूकंप लोगों के लिए अवसर बनकर आया है, कराची में भूकंप के दौरान जेल की दीवारों में दरारें आ गईं, जिसका पूरा-पूरा फायदा कैदियों ने उठाया। बताया जा रहा है कैदी जेल की दीवार तोड़कर फरार हो गए।

प्रांतीय कानून मंत्री ने इसकी जानकारी दी। मंत्री जिया-उल-हसन लंजर ने मालिर जेल के बाहर संवाददाताओं को बताया कि जेल से भागने की घटना तब हुई जब भूकंपों के कारण कैदियों में दहशत फैल गई। पाकिस्तान में आए तेज भूकंप के कारण जेल की दीवार कमजोर हो गई।

46 कैदी हुए थे फरार- टीवी समाचार चैनलों पर उनके बयान को दिखाया गया है। लंजर ने कहा कि भागने वाले 46 लोगों को पकड़ लिया गया है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने कैदी भागे हैं। उन्होंने कहा कि जेल से भागने की यह घटना पाकिस्तान में अब तक की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है।

पाकिस्तान में महसूस किए गए भूकंप के झटके - पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में देर रात हल्की तीव्रता वाले भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पहला भूकंप 3.2 तीव्रता का था।

पाकिस्तान में 17 साल की टिकटॉकर की घर में गोली मारकर हत्या, मेहमान बनकर आया था हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। टिकटॉक पर वीडियो बनाने वाली एक 17 साल की लड़की को घर में घुसकर गोली मार दी गई। गोली लगने के बाद युवती की मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून और समा टीवी के अनुसार, युवती की पहचान फेमस टिकटॉक स्टार सना यूसुफ के तौर पर हुई है। खबरों की मानें तो हमलावर घर में मेहमान बनकर आया था।

घर में घुसकर गोली मारी- द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के हवाले से पता चला है कि सना को काफी करीब से गोली मारी गई। पुलिस के अनुसार आरोपी सना के घर में घुस आया और फिर उसने सना को सामने देखकर गोली मार दी। इस दौरान सना ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

सना पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के चित्राल से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने टिकटॉक पर वीडियो बनाकर फेम हासिल किया था। समा टीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि आरोपी मेहमान बनकर सना के घर में घुसा था। सना इस्लामाद के सेक्टर जी-13 में रहती थीं। ऐसे में एक शख्स गेस्ट के रूप में उनके घर में आया और सना को गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फौरन मौके से फरार हो गया।

जांच में जुटी पुलिस- सना के शव को पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि इस केस में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। सना की मौत अभी भी पुलिस के लिए राज बनी हुई है। पुलिस सना के कातिल का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पोलैंड के राष्ट्रपति चुने गए करोल नवरोकी, सत्तारूढ़ पार्टी उम्मीदवार राफाल को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार और राष्ट्रवादी कंजरवेटिव नेता करोल नवरोकी ने बेहद कड़े मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की है। सोमवार को आए परिणाम यूरोपीय संघ समर्थक सरकार के लिए बड़ा झटका है।

सोमवार को आए चुनाव परिणाम के अनुसार करोल ने 50.89 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। जबकि सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार और वारसा के मेयर उदारवादी राफाल ट्रजास्कोवस्की को 49.11 प्रतिशत मत मिले। चुनाव परिणाम से संकेत मिलता है कि पोलैंड अपने नए नेता के नेतृत्व में राष्ट्रवादी मार्ग अपना सकता है।

परिणाम के बाद राजनीतिक गतिरोध की आशंका- इस परिणाम से राजनीतिक गतिरोध की आशंका क्योंकि नवरोकी प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के उदार नीतिगत एजेंडे को विफल करने के लिए राष्ट्रपति के तौर पर वीटो का उपयोग कर सकते हैं। टस्क सरकार पूर्ववर्ती ला एंड जस्टिस (पीआइएस) सरकार द्वारा किए गए न्यायिक सुधारों को पलटने की कोशिश कर रही है।

हालांकि मौजूदा राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने इन प्रयासों को अवरुद्ध कर दिया है। वह पीआईएस के सहयोगी हैं। यह संभावना जताई जा रही है कि करोल नवरोकी भी इसे जारी रखेंगे। टस्क की सत्तारूढ़ सिविक कोएलिशन पार्टी के उम्मीदवार राफाल रविवार को आए प्रारंभिक एग्जिट पोल में जीत की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन कुछ घंटे बाद चुनाव नतीजों में वह मामूली अंतर से पिछड़ गए।

गाजा पर कहर बनकर टूट रही इजरायली सेना, हवाई हमले में महिलाओं, बच्चों समेत 14 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल की तरफ से गाजा पट्टी में हमले जारी हैं। उसके ताजा हवाई हमले में सोमवार को महिलाओं और बच्चों समेत 14 लोग मारे गए। इससे एक दिन पहले गाजा में खाद्यान्न सामग्री के लिए जुटे फलस्तीनियों पर इजरायली सैनिकों की फायरिंग में 31 लोग मारे गए थे।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी गाजा के जाबालिया शरणार्थी शिविर में हुए हमले में मारे गए लोगों में पांच महिलाएं और सात बच्चे शामिल हैं।

घटना पर सेना की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई सामने फिलहाल इजरायली सेना की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इजरायल का कहना है कि वह केवल आतंकियों को निशाना बनाता है और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने से बचने की कोशिश करता है।

अक्टूबर से जारी है इजरायल गाजा के बीच संघर्ष- उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास से इजरायल में बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे और 251 को अगवा कर लिया गया था। तभी से इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ सैन्य अभियान चला रखा है। इसमें अब तक 54 हजार फलस्तीनी मारे गए हैं।

राजस्थानः पूर्व मंत्री के पीए का पाकिस्तान कनेक्शन, ISI के लिए करता था जासूसी, जैसलमेर से हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान खुफिया विभाग ने रोजगार कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी शकूर खान को हिरासत में लिया है। शकूर को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में जैसलमेर से गिरफ्तार किया गया। शकूर पर आरोप है कि वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के लिए काम करता है।

सीआईडी सिक्योरिटी के आईजी विष्णु कांत गुप्ता ने इसकी पुष्टि की है। उनका कहना है कि संदिग्ध गतिविधियों के चलते शकूर पर काफी लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। वहीं अब पुलिस का शक यकीन में बदल चुका है।

विष्णु कांत गुप्ता के अनुसार, शकूर खान पाकिस्तान दूतावास के पूर्व हाई कमीशन एहसान-उर-रेहमान अलियास दानिश और सोहेल कमर के भी संपर्क में था।

दानिश को ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान वापस भेज दिया गया था। दानिश ने ज्योति मल्होत्रा समेत कई लोगों को ISI का जासूस बनाया था।

फोन में 13 ISI एजेंट्स के मिले नंबर

शकूर से जयपुर में पूछताछ की गई। इस दौरान इसके फोन में 13 ISI एजेंट्स के भी नंबर मिले हैं। शकूर इन सभी से व्हाट्सएप समेत अन्य सोशल मीडिया एप के जरिए संपर्क करता था। शूकर ने भारतीय सेना से जुड़ी कई संवेदनशील जानकारियां भी ISI से साझा की थीं। यही नहीं, शकूर किसी को बिना बताए कई बार पाकिस्तान भी जा चुका है। शकूर का वीजा बनवाने में दानिश उसकी मदद करता था।

7 बार गया पाकिस्तान- बड़ौदा गांव में रहने वाले शकूर के कई करीबी पाकिस्तान से ताल्लुक रखते हैं। सिंध, रहीमयार खान, सुक्कूर समेत कई जगहों पर उसके रिश्तेदार रहते हैं।

तेलंगाना में IAS अधिकारी ने छात्रों को दिया टॉयलेट साफ करने का निर्देश, SC आयोग ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की एक आइएएस अधिकारी ने छात्रों द्वारा अपने स्कूलों में टॉयलेट साफ करने के बारे में टिप्पणी करके एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्षी बीआरएस ने अधिकारी को हटाने की मांग की है, जबकि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति (एससी)आयोग ने नोटिस जारी कर मामले पर विस्तृत जानकारी मांगी है। आयोग ने 31 मई को तेलंगाना के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर संस्थानों में अनुसूचित जाति के छात्रों के खिलाफ आइएएस अधिकारी द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, आइएएस अधिकारी वी एस अलगू वर्सिनी ने स्पष्ट किया कि यह जीवन कौशल के बारे में है, श्रम के बारे में नहीं।

हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी की सचिव आइएएस अधिकारी अलगू वर्सिनी द्वारा प्रधानाचार्यों को टायलेट, छात्रावास के कमरों की सफाई करने तथा भोजन पकाने में छात्रों को शामिल करने का निर्देश देने का एक आडियो क्लिप प्रसारित हो हुआ है, जिसकी बीआरएस ने तीखी आलोचना की है।

किसी को ठेस पहुंचाई है तो माफी मांगें, कमल हासन केस में कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्टर कमल हासन को कन्नड भाषा को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए फटकार लगाई है। कोर्ट ने चेतावनी के लहजे में कहा है कि राइट टू स्पीच के तहत किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाया जा सकता है। दरअसल अभिनेता ने एक बयान में कहा था कि कन्नड भाषा का जन्म तमिल से हुआ है।

कोर्ट ने क्या-क्या कहा- कोर्ट ने कमल हासन से कहा कि आपको बोलने का अधिकार है। लेकिन भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं। फ्री स्पीच और अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार इस हद तक नहीं दिया जा सकता कि इससे आम जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित प्राधिकारियों को एक याचिका में यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि वे कर्नाटक में कमल हासन की नई फिल्म ठग लाइफ के प्रदर्शन में बाधा न डालें या उसे रोक न लगाएं। अदालत ने कमल हासन से कहा, हम अब यह आप पर छोड़ रहे हैं। अगर आपने किसी को ठेस पहुंचाई है तो माफी मांगें।

अदालत ने कहा, इस मामले में आपने एक बयान दिया। उस बयान को वापस लें, बस इतना ही। कर्नाटक से करोड़ों कमाए जा सकते हैं।

चीन चाहकर भी नहीं रोक सकता ब्रह्मपुत्र नदी का पानी, पाकिस्तान की धमकी पर असम CM का पलटवार; फैक्ट के साथ दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका तो पाकिस्तान ने भी भारत को धमकी दे डाली। पाकिस्तान का कहना था कि चीन भी ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक सकता है, जिससे भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। वहीं अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

पाकिस्तान का मानना है कि भारत चीन से आने वाली ब्रह्मपुत्र नदी के पानी पर निर्भर करता है। हालांकि हिमंत बिस्वा सरमा ने पड़ोसी मुल्क के इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

असम सीएम ने पेश किए आंकड़े- हिमंत बिस्वा सरमा के अनुसार, ब्रह्मपुत्र नदी चीन से सिर्फ 30-35 प्रतिशत पानी लेकर आती है। ब्रह्मपुत्र नदी को यह पानी हिमालयन ग्लेशियर पिघलने और बारिश से मिलता है। वहीं नदी का बाकी 65-70 प्रतिशत पानी भारत में बहने वाली नदियों और बारिश से मिलता है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा- भारत ने जब से सिंधु नदी समझौते को रद किया है, तभी से पाकिस्तान देश में डर फैलाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान कहना है कि चीन ब्रह्मपुत्र देगा तो? वास्तव में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी भारत में ही बढ़ता है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी के जल प्रवाह में मात्र 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है और बाकी 65-70 फीसदी पानी नदी को भारत में ही मिलता है।

भारत में क्यों बढ़ता है ब्रह्मपुत्र नदी का पानी- हिमंत बिस्वा सरमा ने इसका कारण बताते हुए कहा, ब्रह्मपुत्र नदी के पानी का मुख्य स्रोत अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम और नगालैंड में होने वाली मूसलाधार बारिश है। इसके अलावा सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया भाराली, कोपिली, दिगारु और कुलसी जैसी अनेक सहायक नदियां ब्रह्मपुत्र में जाकर मिलती है, जिससे नदी का जल प्रवाह बढ़ जाता है।

भारत में 7 गुना हो जाता है जल प्रवाह- हिमंत बिस्वा सरमा ने तथ्यों के साथ बताया कि, चीन और भारत की सीमा पर जब ब्रह्मपुत्र नदी भारत में एंट्री करती है तो उसका जल प्रवाह 2,000-3,000 घन मीटर प्रति सेकेंड होता है।

दुनिया में रह जाएंगे बस 10 करोड़ इंसान, AI एक्सपर्ट ने दी चेतावनी; बताया कब तक होगा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में जनसंख्या को लेकर एक्सपर्ट ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। भारत इस वक्त दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश कहा जाता है। लेकिन कहा जा रहा है आने वाले दिनों में इसकी आबादी में गिरावट देखने को मिलेगी। ये दावा एक एक्सपर्ट ने किया है। बताया जा रहा है साल 2300 तक जनसंख्या घटकर महज 100 मिलियन (10 करोड़) हो सकती है। इसकी एक वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी बनेगा।

AI को लेकर बड़ा दावा - ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस पढ़ाने वाले सुभाष काक ने भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि जनसंख्या में गिरावट किसी परमाणु प्रलय के कारण नहीं होगी, बल्कि AI द्वारा हमारी नौकरियों को बदलने के कारण होगी। न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार, काक ने कहा, यह समाज और विश्व समाज के लिए विनाशकारी होने जा रहा है। मुझे लगता है कि लोगों को इसका कोई अंदाजा नहीं है। उन्होंने कहा, कम्प्यूटर या रोबोट भले ही पूरी तरह से सचेत न हो लेकिन वो सब कर लेंगे जो हम करते हैं। क्योंकि हम अपने जीवन में जो कुछ भी करते हैं, उसमें से अधिकतर चीजें रोबोट्स कर सकते हैं।

क्यों आगे ऐसा AI प्रमुख ने बताया- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का युग के लेखक का मानना है कि जन्म दर में गिरावट आएगी, लोग बच्चे पैदा करने से कतराएंगे जिनके भाग्य में आगे चलकर बेरोजगार होना लिखा है। अगर लोग बच्चे पैदा नहीं करेंगे, तो वैश्विक आबादी को एक भयावह झटका लगेगा। ये सब AI की वजह से होगा। इस कारण से 2300 या 2380 तक धरती की जनसंख्या घटकर महज़ 100 मिलियन (10 करोड़) रह सकती है जो कि आज के ब्रिटेन की आबादी के बराबर है।

काक ने अपने दावे का समर्थन करने के लिए यूरोप, चीन,जापान और दक्षिण कोरिया का उदाहरण दिया, जहां हाल के सालों में जनसंख्या में गिरावट प्रमुख रही है।

नॉर्थईस्ट में बाढ़ से हाहाकार, करीब 6 लाख लोग प्रभावित; पीएम मोदी ने फोन पर ली हालात की जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर पूर्वी राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है, जिसके साथ ही कई जगहों पर मूसलाधार बारिश देखने को मिल रही है। असम और मणिपुर समेत उत्तर पूर्वी भारत के ज्यादातर राज्यों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात करके हालात का जायजा लिया है।

बाढ़ का कहर- बता दें कि बाढ़ के कारण मणिपुर में 10 हजार से ज्यादा घर तबाह हो गए, जिससे 56,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं असम में बाढ़ से 11 लोगों की मौत हो चुकी है। असम के 22 जिलों में 5 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ का कहर झेल रहे हैं। वहीं मिजोरम की राजधानी आइजोल में भी भारी बारिश के कारण सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की है। पीएम मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग, मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से बातचीत के दौरान ताजा हालातों का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने सभी राज्यों को हर संभव मदद दिलाने का भरोसा जताया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि उनकी पीएम मोदी से क्या बात हुई? असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, थोड़ी देर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने मुझे असम में मौजूदा बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया। मैंने उन्हें बताया कि कैसे असम और आसपास के राज्यों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ आई है और इससे कई लोगों की जान पर असर पड़ा है। मैंने उन्हें राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों से भी अवगत कराया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल अष्टमी

संपादकीय

मानव बुद्धि का लोहा आज हर स्तरपर सशक्त और काबिले तारीफ़ माना जा रहा है....

मानव बुद्धि का लोहा आज हर स्तरपर सशक्त और काबिले तारीफ़ माना जा रहा है, जिसने दशकों पूर्व किसी ज़माने में पैदल चलने वाले, प्राकृतिक पत्तों और चीजों से तन ढकने वाले और जंगलों में जीवन यापन कर खाद्य जुटाने वाले मानव को न सिर्फ आज के डिजिटल युग में पहुंचा दिया है,बल्कि मानवता को आग की खोज से लेकर खेती,आसमान में उड़ने से लेकर सितारों के बीच चलायमान वह अंतरिक्ष के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने के काबिल तक बना दिया है और आगे चांद पर रहवासी,घर बनाकर मानव कालोनियां स्थापित करने की ओर कदम बढ़ा दिया है तथा पृथ्वी लोक पर सब कुछ आर्टिफिशियल बना के रख दिया है।वाह रे मानव बौद्धिक क्षमता का कमाल!,यह सब शिक्षा और ज्ञान की इच्छाशक्ति और ज़िद्द ने पूर्ण किया है जिसके बारे में हम आज चर्चा करेंगे।शिक्षा और ज्ञान यही मानव बौद्धिक क्षमता का विकास करने की प्राथमिक सीढ़ी का प्रथम पहिया है और यहीं से मानव बौद्धिक संपदा की नींव पड़ती है जो आगे चलकर तेज़ी से विकास की सीढ़ी पर चढ़कर अपनी कामयाबी के मंजिलों तक पहुंचाती है। शिक्षा और ज्ञान को भारतीय संस्कृति, सभ्यता, में मां सरस्वती के अस्त्र के रूप में जाना जाता है। प्राय बच्चों को ध्यान होगा कि आज भी हर शुक्रवार को अधिकतम शिक्षण संस्थाओं में मां सरस्वती की वंदना, पूजा की जाती है। यह बात हम आज इसलिए कर रहे हैं,क्योंकि दिनांक 8 सितंबर 2024 को शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूनेस्को के सहयोग से अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस 2024 मनाया। इस वर्ष के आयोजन का विषय,विभिन्न भाषाओं के माध्यम से साक्षरता को बढ़ावा देना था,जिसमें भारत के विविध समुदायों में साक्षरता के स्तर में सुधार करने में भाषाई विविधता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। जिसमें माननीय उपराष्टपति शिक्षा राज्य मंत्री सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया। चूंकि राष्टीय शिक्षा नीति 2020 विकसित राष्ट बनाने गेम चेंजर साबित होगी इसलिए आज हम पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।शिक्षकों अभिभावकों व बुद्धिजीवियों ने हर व्यक्ति साक्षर अभियान के लिए प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 8 सितंबर 2024 को शिक्षामंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूनेस्को के सहयोग से अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस 2024 मनानें की करें तो,नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपराष्टपति ने रेखांकित किया, किसी व्यक्ति को शिक्षित करके आप जो खुशी औरआनंद प्रदान करते हैं, चाहे वह पुरुष हो, महिला हो, बच्चा हो या लड़की हो, वह असीम है।आप कल्पना भी नहीं करसकते कि इससे आपको कितनी खुशी मिलेगी। यह सकारात्मक तरीके से फैलेगा। यह मानव संसाधन विकास में आपकी ओर से की जा सकने वाली सबसे बड़ा सकारात्मक कार्य होगा।अपने संबोधन में उन्होंने सभी से साक्षरता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम मिशन मोड में जल्द से जल्द 100त्न साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता और जुनून के साथ काम करें। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि यह लक्ष्य हमारी सोच से भी पहले हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति एक व्यक्ति को साक्षर बनाए, यह विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान होगा।

गोविंद शंकर कुरुप

गोविंद शंकर कुरुप ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित मलयाली भाषा के एक प्रसिद्ध साहित्यकार थे। उन्होंने कोचीन राज्य की पंडित परीक्षा पास करके अध्यापन की योग्यता प्राप्त की थी। उसके बाद दो वर्ष तक वे यहाँ-वहाँ अध्यापन कार्य भी करते रहे थे। महाकवि गोविंद शंकर कुरुप की 40 से अधिक मौलिक और अनूदित कृतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं।

जन्म

गोविंद शंकर कुरुप का जन्म 5 जून, 1901 ई. को केरल के नायत्तोट नामक स्थान पर हुआ था। अपने मामा 'गोविंद' के नाम पर ही उनका नाम गोविंद शंकर कुरूप पड़ा। परिवार में वंश परंपरा मातृकुल से चलने की प्रथा होने के कारण इनका कुलनाम भी कुरुप हुआ। संयोग से उन्हीं दिनों नायत्तोट में एक प्राथमिक पाठशाला की स्थापना हुई। बालक कुरुप को वहाँ भर्ती करा दिया गया। गोविंद शंकर ने वहाँ जाकर अनुभव किया कि प्राकृतिक दृश्य-छवियों को देखकर उनके भीतर स्वत~ स्फूर्त एक अरुप और विचित्र-सा आलोड़न होता है, जिसका अब उन्हें ज्ञान होने लगा था। गोविंद शंकर के जीवन में दो घटनाएँ भी उसी समय घटीं, जो यूँ तो सामान्य थीं, पर कवि शंकर कुरुप की काव्यङ्कचेतना के प्रथम अंकुर फूटने में परोक्ष रूप से सहायक सिद्ध हुई। एक थी उस युग के वरिष्ठ मलयालम कवि कुंजीकुट्टन तंपुरान का नायत्तोट आना और दूसरी थी, नौका से तोट्टवाय देवालय जाते हुए उगते सूर्य के प्रथम स्पर्श से लहरियों के नर्तन का दर्शन।

शिक्षा

बचपन में ही गोविंद शंकर के पिता की आशीष-छाया सिर से उठ जाने के बाद उनकी देखरेख और शिक्षा आदि का दायित्व उनके मामा गोविंद कुरुप ने निभाया। गांव की उस प्राथमिक पाठशाला में शिक्षा का प्रबंध तीसरी कक्षा तक ही था। फिर किसी प्रकार व्यवस्था करके बालक कुरुप को 7 मील (लगभग 11.2 कि.मी.) दूर स्थित पेरुंपावूर के मलयालम मिडिल स्कूल भेजा गया। पेरुंपावूर में छात्रावास के जीवन में एक मुक्त वातावरण मिला, जो कवि शंकर की अस्फुट प्रतिभा के जागृत होने में विशेष प्रेरक व सहायक हुआ। वहाँ एक सघंन वन था, जहाँ लता-कुंजों से घिरा भगवती वनदेवी का एक अर्द्धभग्न मंदिर था। नाना पक्षियों का कलरवङ्ककूजन निरंतर चलता रहता था। प्रकृति ङ्की उस उन्नमुक्त शोभाराशि से मुग्ध हुए शंकर घंटों-घंटों वहाँ बैठे रहते और प्राय~ संस्कृत छंदों में फुटकर श्लोकों की रचना करते। सातवीं कक्षा के गोविंद शंकर जी मूवाट्टुपुषा मलयालम हाईस्कूल पहुंचे। वहाँ दो वर्ष रहे, पर ये दो वर्ष उनके विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण और एक प्रकार से दिशा निर्णायक सिद्ध हुए।

व्यावसायिक शुरुआत

शंकर कुरुप ने कोचीन राज्य की 'पंडित' परीक्षा पास करके अध्यापन की योग्यता प्राप्त की। वह दो वर्ष तक यहाँ-वहाँ अध्यापन का काम भी करते रहे। उनके कविता संग्रह, साहित्य कौतुकम् के पहले भाग की कुछ कविताएँ इसी काल की हैं। पर अपना अभीष्ट उन्हें तब प्राप्त हुआ, जब वह तिरूविल्वामला हाई स्कूल में अध्यापक नियुक्त हुए। 1921 से 1925 तक शंकर कुरुप तिरूविल्वामला में रहें। प्रकृति के प्रति प्रारंभ में जो एक सहज आकर्षण भाव था, उसने इन चार वर्षों में अनन्य उपासक की भावना का रूप ले लिया। तिरूविल्वामला से कुरुप 1925 में चालाकुटि हाईस्कूल पहुंचे। उसी वर्ष साहित्य कौतुकम का दूसरा भाग प्रकाशित हुआ। 1931 में नालें शीर्षक कविता के प्रकाशन ने साहित्य जगत् में एक हलचल-सी मचा दी। कुछ लोगों ने उसे राजद्रोहात्मक तक कहा और उसके कारण महाराजा कॉलेज, एर्णाकुलम में प्राध्यापक पद पर उनकी नियुक्ति में भी एक बार बाधा आई। 1937 से 1956 में सेवानिवृत्त होने तक इस कॉलेज में वह मलयालम के प्राध्यापक रहे। यहाँ अवकाश प्राप्त कर लेने के उपरांत वह आकाशवाणी के त्रिवेंद्रम केंद्र में प्रोड्यूसर रहे।

काव्य कृति

गोविंद शंकर कुरुप की काव्य कृति ओट्क्कुषठ का प्रथम संस्करण वर्ष 1950 में प्रकाशित हुआ था। इसके मूल रूप में 60 कविताएँ थीं। वर्तमान रूप में 58 कविताएँ हैं। इन कविताओं के माध्यम से कवि के विभिन्न रूप भावों का परिचय मिलता है। कवि प्रकृति और उसकी शिव सुंदर रहस्यमयता की अनुभूति में प्रकृति के कण-कण और क्षण-क्षण की मुग्धकारी सौंदर्य छवि में परा चेतनशक्ति का आभास प्राप्त करता है। उसे जैसे साक्षात प्रतीति होती है, कि विराट प्रकृति और वह स्वयं एक अनादि व अनंत चैतन्य के अंश है। कई उत्कृष्ट प्रेम कविताएँ इसमें सम्मिलित है। लेकिन यह प्रेम भी नरङ्कनारी का नहीं प्रकृति और निखिल ब्रह्मङ्कचेतना का है, जिसका यह संपूर्ण सृष्टिचक्र प्रतिफलन है।

कविता संग्रह

महाकवि गोविंद शंकर कुरुप की 40 से अधिक मौलिक और अनूदित कृतियाँ प्रकाशित है। उनके लिखे कुछ कविता संग्रह निम्नलिखित हैं-

साहित्य कौतुकम

चार खंड (1923-1929)

सूर्यकांति (1932)
ओट्क्कुषठ (1950)
अंतर्दाह (1953)
विश्वदर्शनम (1960)
जीवनसंगीतम् (1964)
पाथेयम (1961)
गद्य-गद्योपहारम् (1940)
लेखमाल (1943)
नाटक
संध्य (1944),
इरूट्टिनु मुंपु (1935)

सम्मान

गोविंद शंकर कुरुप को साहित्य अकादमी पुरस्कार (1963) और ज्ञानपीठ पुरस्कार (1965) से सम्मानित किया गया।

अनुवाद - अनुवादों में से तीन बांग्ला में से हैं, दो संस्कृत से, एक अंग्रेज़ी के माध्यम से फ़ारसी कृति का और एक इसी माध्यम से दो फ़्रेंच कृतियों के। बांग्ला कृतियाँ हैं- गीतांजलि, एकोत्तरशती, टागोर। संस्कृत की कृतियाँ हैं- मध्यम व्यायोग और मेघदूत, फारसी की रुबाइयात ए उमर ख़ैयाम[5] और फ़्रेंच कृतियों के अंग्रेजी नाम हैं- द ओल्ड मैन हू डज़ नॉट वांट टु डाय, तथा द चाइल्ड व्हिच डज़ नॉट वॉन्ट टु बी बॉर्न।

वोडाफोन आइडिया का शेयर भाव 7 रुपये से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया आर्थिक संकट के बुरे दौर से गुजर रही है। एजीआर बकाया को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कंपनी परेशान है और मदद के लिए सरकार से गुहार लगा रही है। उधर, कंपनी के शेयर 7 रुपये से नीचे चले गए हैं, ऐसे में निवेशकों की चिंता भी बढ़ती जा रही है।

शेयरधारकों के सामने सवाल है कि वोडाफोन आइडिया के शेयर रखें या बेच दें- वोडाफोन आइडिया के शेयरों पर देश के दिग्गज ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और सेंट्रम ब्रोकिंग ने अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में ब्रोकरेज फर्म के एक्सपर्ट्स ने कंपनी के फंडामेंटल पर अपना नजरिया रखा है और शेयरों पर रेटिंग दी है।

कंपनी के भविष्य पर ब्रोकरेज ने क्या कहा- ICICI सिक्योरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वोडाफोन आइडिया का चौथी तिमाही में ARPU तिमाही आधार पर 0.6% बढ़ा है। लेकिन, रेवेन्यू ग्रोथ अब भी कंपनी के लिए बड़ी चिंता का विषय है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि सरकार द्वारा 370 बिलियन रुपये के कर्ज को इक्विटी में परिवर्तित करने से कंपनी को तत्काल राहत मिलेगी और बैंकों के साथ डेट फंडिंग की दिशा में भी मदद मिलेगी, जो कंपनी नेटवर्क विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, सेंट्रम ब्रोकिंग ने कहा कि वोडाफोन आइडिया का चौथी तिमाही में ऑपरेशनल परफॉर्मेंस मोटे तौर पर स्थिर रहा है।

क्या होल्ड करना चाहिए शेयर- वोडाफोन आइडिया के शेयरों पर आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और सेंट्रम ब्रोकिंग ने टारगेट प्राइस एक समान रखा है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने वोडाफोन आइडिया के शेयरों पर होल्ड की रेटिंग दी है और टारगेट प्राइस 7 रुपये रखा है। वहीं, सेंट्रम ब्रोकिंग ने रेड्यूस की रेटिंग देते हुए टारगेट प्राइस 7 रुपये कर दिया है। बता दें कि वोडाफोन आइडिया के शेयरों का करंट मार्केट प्राइस 6.86 रुपये है।

160 करोड़ के ऑर्डर ने शेयर को दिया बूस्ट, ब्रोकरेज फिदा, 1500 का टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में जब भी किसी कंपनी को लेकर पॉजिटिव खबर आती है तो उस पर निवेशक टूट पड़ते हैं। ऐसा ही एक शेयर-संसेरा इंजीनियरिंग लिमिटेड का है। इस कंपनी ने बताया है कि उसने एयरबोर्न इंटेंसिव केयर ट्रांसपोर्ट मॉड्यूल के निर्माण, आपूर्ति और समर्थन के लिए एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह डील लगभग 160 करोड़ की है। बता दें कि यह पहली बार है जब एयरबस ने ICTM किट के लिए किसी भारतीय आपूर्तिकर्ता का चयन किया है।

ICTM की बात करें तो यह चिकित्सा निकासी प्रणाली है जिसे आपातकालीन स्थितियों के दौरान गहन देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए डिजाइन किया गया है। इसके तहत संसेरा मॉड्यूल की सटीक मशीनिंग और संरचनात्मक असेंबली के लिए जिम्मेदार होगी। संसेरा के चेयरमैन एस शेखर वासन ने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी हमें एयरबस के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है और हमारी एयरोस्पेस यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह सौदा सरकार की मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करता है। इसके साथ ही अहम रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण में भारत की क्षमता का निर्माण करता है।

संसेरा इंजीनियरिंग के शेयर मंगलवार को बीएसई पर 1339 रुपये से 1408 रुपये के दायरे में ट्रेड करते नजर आए।

इन 5 नामी शेयरों में पैसा लगाना होगा फायदे का सौदा, दे सकते हैं तगड़ा रिटर्न, चेक करें टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की टॉप ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने चुनिंदा शेयरों पर बड़े टारगेट प्राइस के साथ खरीदारी की राय दी है। इनमें बैंक, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, हेल्थकेयर और इंडस्ट्रियल सेक्टर के शेयर शामिल हैं। टॉप 5 पिक के तौर पर हम आपको कुछ लार्ज कैप और मिडकैप शेयरों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन पर एक्सिस सिक्योरिटीज ने अपना टारगेट प्राइस बढ़ाया है।

ब्रोकरेज हाउस की टॉप पिक में आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और श्रीराम फाइनेंस जैसे शेयर शामिल हैं।

एक्सिस सिक्योरिटीज की टॉप पिक्स

आईसीआईसीआई बैंक - एक्सिस सिक्योरिटीज ने आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों पर 1650 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इस बैंक स्टॉक का मौजूदा भाव 1435 रुपये है यानी करंट प्राइस से यह स्टॉक 15 फीसदी तक का उछाल दिखा सकता है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों पर इस ब्रोकरेज फर्म ने 1025 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, जबकि शेयरों का मौजूदा भाव 807 रुपये है। लिहाजा, एसबीआई के शेयर करंट लेवल से 26 फीसदी तक चढ़ सकते हैं।

एचडीएफसी बैंक - देश के सबसे बड़े बैंक, एचडीएफसी बैंक के शेयरों पर एक्सिस सिक्योरिटीज ने 2250 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इस बैंक स्टॉक का भाव 1925 रुपये है और यह मौजूदा स्तरों से 16 फीसदी तक उछल सकता है।

श्रीराम फाइनेंस- एनबीएफसी सेक्टर में बेहतर रिटर्न के लिए एक्सिस सिक्योरिटीज ने श्रीराम फाइनेंस के शेयरों पर दांव लगाने की सलाह दी है. ब्रोकरेज फर्म ने इस शेयर पर 790 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, जबकि मौजूदा भाव 651 रुपये है।

हीरो मोटोकॉर्प - एक्सिस सिक्योरिटीज ने हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों पर भी 5030 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदारी की राय दी है।

भारत-पाकिस्तान में लड़ाई खत्म होने के बाद भागा ये डिफेंस शेयर, 16600 रुपये तक पहुंचा भाव, कभी 1000 थी कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच चले 2-3 दिन के सैन्य संघर्ष के बाद डिफेंस शेयरों में अच्छी तेजी देखी गई। रक्षा क्षेत्र से जुड़े साजो-सामान बनाने वाली कई कंपनियों के शेयरों में एक महीने में बड़ी रैली आई है। इनमें सेना को गोला-बारूद की सप्लाई करने वाली एक कंपनी के स्टॉक भी शामिल है।

हम बात कर रहे हैं सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों की, जिन्होंने पिछले एक महीने में 25 फीसदी से ज्यादा की तेजी दिखाई है। 7 और 8 मई के बाद सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी का एक जबरदस्त दौर देखने को मिला है।

3000 रुपये तक बढ़ा प्रति शेयर का दाम- 7 मई को सोलर इंडस्ट्रीज के शेयर 13000 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे, और अब भाव 16600 रुपये है। 21 मई के बाद तो इस कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी देखी गई। खास बात है कि सोलर इंडस्ट्रीज के शेयर अब ऑल टाइम हाई के लेवल पर कारोबार कर रहे हैं।

क्या है कंपनी का कारोबार - सोलर इंडस्ट्रीज की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्राइवेट सेक्टर और डिफेंस सेक्टर के लिए विस्फोटक सामग्री बनाती है। इनमें इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, गोला-बारूद व ड्रोन का निर्माण शामिल है।

1000 से 16000 का ऐतिहासिक रिटर्न- सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पिछले 5 सालों में जबरदस्त रिटर्न दिया है और निवेशकों का पैसा करीब 15 गुना बढ़ा दिया है।

अदाणी ग्रुप के शेयरों में फिर से गिरावट, सबसे ज्यादा टूटे अदाणी पोर्ट्स के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदाणी समूह की कंपनियों के शेयर एक बार फिर 1% से 2.5% तक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। यह गिरावट अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की उस रिपोर्ट के बाद आई है जिसमें दावा किया गया है कि अमेरिकी अभियोजक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अदाणी समूह की कंपनियों ने गुजरात में मुंद्रा बंदरगाह के माध्यम से भारत में ईरानी एलपीजी का आयात किया था।

हालांकि, अदाणी ग्रुप के प्रवक्ता ने इस रिपोर्ट को आधारहीन और गलत बताया है। एक बयान में कंपनी ने कहा, ÷इस मामले में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा इस तरह की जांच के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है।÷

खबर के बाद गिरे अदाणी ग्रुप के शेयर- अमेरिकी अखबार की यह रिपोर्ट अदाणी ग्रुप के शेयरों के लिए बुरी खबर साबित हुई, क्योंकि समूह की विभिन्न कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं. इनमें सबसे ज्यादा अदाणी पोर्ट्स के शेयर पौने 3 फीसदी तक टूटे हैं. इसके अलावा, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी ग्रीन, अदाणी पावर और अंबुजा सीमेंट के शेयर भी एक से डेढ़ फीसदी तक टूट गए हैं।

अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की यह रिपोर्ट 2 जून को सामने आई थी। इसके बाद अदाणी समूह ने सफाई देते हुए कहा कि वह अपने किसी भी बंदरगाह पर ईरान या किसी ईरानी स्वामित्व वाले जहाज से आने वाले किसी भी माल को हैंडल नहीं करता है। समूह ने इस मामले में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। अदाणी समूह ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, पॉलिसी के अनुसार, अदाणी समूह अपने किसी भी बंदरगाह पर ईरान से आने वाले किसी भी माल का संचालन नहीं करता है।÷

बता दें कि इससे पहले अमेरिकी कोर्ट में अदाणी समूह पर एक एनर्जी कॉन्ट्रेक्ट को हासिल करने के लिए रिश्वत देने के आरोप लगे थे। इसके बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली हुई थी।

सीनियर सिटीजन या मंथली इनकम स्कीम किसमें है ज्यादा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोस्ट ऑफिस के तहत निवेशकों को सुरक्षित निवेश के कई ऑप्शन मिलते हैं। इन स्कीम के तहत आपको गारंटी रिटर्न मिलता है। आप अपनी पसंद और जरूरत के हिसाब से स्कीम का चुनाव कर सकते हैं। हमने आज पोस्ट ऑफिस की दो फेमस स्कीम सीनियर सिटीजन और मंथली सेविंग स्कीम की तुलना की है।

लेकिन कैलकुलेशन देखने से पहले, चलिए इन दोनों के बारे में बेसिक बातें जानते हैं।

इस स्कीम के तहत निवेशकों को 8.2 फीसदी रिटर्न दिया जा रहा है।

इसमें न्यूनतम 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये निवेश किया जा सकता है।

सेक्शन 80सी के तहत इसमें निवेश करने पर 1 लाख 50 हजार रुपये का टैक्स बेनिफिट मिलता है।

निवेशक चाहें तो मैच्योरिटी पूरी होने पर इसे 3 साल के लिए और बढ़ा सकते हैं।

इसमें निवेश करने के उम्र सीमा 60 साल या इससे ज्यादा होनी चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

MP के इस जिले में दहशत में जी रहे लोग, विस्फोट के चलते गिर रही छतें, ढह रहे मकान

मैहर। जिले के बदेरा थाना क्षेत्र के ग्राम सड़ेरा के रहवासी अब गांव से विस्थापन की ओर सोचने को मजबूर होने लगे है और ऐसा इसलिए कि अब उनके घर खुद-ब-खुद गिरने लगे हैं। ऐसे में जहां एक बार किसी प्रकार घर का निर्माण करा पाते है तो वहीं बार-बार उसकी मरम्मत कराना मुश्किल हो रहा है। इसका असर सीधे उनकी अजीविका पर पडऩे लगा है। दरअसल बदेरा थाना क्षेत्र के ग्राम सड़ेरा से सोमवार को एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया। इसमें गांव के कई घरों की छतें अचानक गिर गईं, इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।अब कितने गांव बदले?

ग्रामीणों ने परेशानी बयां करते हुए बताया कि उनका पुराना गांव आज पूरी तरह से खदान बन चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में उनका गांव आज की खदान है।

जहां सभी लोग अपना मकान बनाकर रहते थे। लेकिन ब्लास्टिंग से होने वाली इन्हीं समस्याओं को देखते हुए सभी लोगों ने जमीनें खरीदकर यहां बस गए। अब यह एक नया गांव है।

लेकिन प्लांट व फैक्ट्री प्रबंधन को भी यह भी रास नहीं आया।अब उसकी बढ़ रहीं खदानों का क्षेत्रफल ने इतना आकार ले लिया है कि अब इस गांव के नजदीक भी ब्लास्टिंग होने लगी है।

इससे अब यहां भी सभी के मकान चटकने लगे है। रविवार को एक घर की छत ही गिर गई।

क्या किसी बड़ी घटना पर जागेगा प्रशासन मैहर जिले के बदेरा थाना अंतर्गत सड़ेरा ग्राम के निवासियों ने इस बात के भी आरोप लगाए है कि गांव में एक-दो परिवारों के मरने पर ही जिला प्रशासन अपनी तींद्रा से जागेगा।

तभी तो कई मर्तबा शिकवा-शिकायतों के बाद भी यहां आने वाले प्रशासनिक अधिकारियों को हमारी हालत नहीं दिखती है।

हर दिन प्रत्येक घरों में दरारें आ रहीं है तो वहीं गांव का ऐसा शायद ही कोई घर हो जो बरसात में चूता न हो। ख इन सबका एक ही कारण दान में होने वाली ब्लास्टिंग ही है।

प्रशासन का उल्टा रवैया ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन को इस खतरे से अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई बल्कि उल्टा, गावं में रहने वालों को ही शांत रहने की सलाह दी गई।

अब स्थानीय लोग जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहते हैं।

उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है।

हमारे गांव के सारे घर चटकने लगे हैं। छत अपने से गिर रहीं है। फैक्ट्री प्रबंधन की ब्लास्टिंग की वजह का ही असर है। हम सबने एक गांव बदला, क्या हम इसी प्रकार गांव बदलते रहेगें और प्रशासन गरीबों की नहीं सुनेगा। हमें मुआवजा मिलना चाहिए।

सुरेन्द्र दाहिया, निवासी ग्राम सड़ेरा

प्रशासन को हमारे नुकसान का आकलन कर फैक्ट्री प्रबंधन से मुआवजा दिलाना चाहिए। बड़ी मेहनत से घर बनाया है अब वह अपने आप ही गिर रहे है। ब्लास्टिंग नहीं बंद कराई गई तो कोई बड़ी अप्रिय घटना भी घट सकती है। ऐसा न हो सोते-सोते ही कई परिवार एक साथ भगवान को प्यारे हो जाए। शायद तब कलेक्टर जांगे।

महेन्द्र, निवासी ग्राम सड़ेरा

मामले की जानकारी है, इसे दिखवाया जा रहा है।

ट्रेनों में चोरी करने वाले दो अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार, 8 लाख के जेवर बरामद

सतना । रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो अंतराज्यीय शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जीआरपी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर खुलासा किया कि आरोपितों के कब्जे से करीब 8.59 लाख रुपये मूल्य के जेवरात बरामद किए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को सतना न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।लंबे समय से फरार चल रहा था मुख्य आरोपित दीपक तिवारी

प्रेस वार्ता के दौरान जीआरपी चौकी प्रभारी राजेश राज ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक, दीपक तिवारी पिता जयदीप तिवारी (उम्र 24), निवासी उमरिया, इस आपराधिक नेटवर्क का मुख्य सरगना है। दीपक के खिलाफ पहले से ही रेल यात्रियों के सामान चोरी के कई प्रकरण दर्ज हैं। वह बीते एक वर्ष से फरार चल रहा था।

तलाश में थी अन्य राज्यों की पुलिस-चौंकाने वाली बात यह है कि दीपक तिवारी को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हैदराबाद, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम की पुलिस भी तलाश रही थी। इतने राज्यों की पुलिस के प्रयासों के बावजूद दीपक पुलिस की गिरफ्त से दूर था, लेकिन सतना में जीआरपी ने उसे पकड़ने में कामयाबी पाई।

साथी राजू कुशवाहा के साथ कार से काटते थे फरारी-दीपक तिवारी का साथी आरोपी राजू कुशवाहा (उम्र 26) निवासी मिर्जापुर भी इस गिरोह का सक्रिय सदस्य है। यह गिरोह ट्रेन में चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद स्टेशन से सटे हुए इलाकों में खड़ी कार में सवार होकर फरार हो जाया करता था।

पुलिस के अनुसार उनके पास एक हॉण्डा सिटी कार थी, जो अक्सर ट्रेनों के समानांतर चलती थी। ट्रेन से उतरने के बाद आरोपी उसी कार में सवार होकर भाग निकलते थे।

मझगवां क्षेत्र से हुई गिरफ्तारी-जीआरपी को सूचना मिली कि दीपक तिवारी अपने साथी राजू कुशवाहा के साथ मिडकॉली घाटी, मारकुंडी रोड, मझगवां क्षेत्र में कार सहित मौजूद है। सूचना पाते ही जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बरामद किए सोने-चांदी के जेवरात-पूछताछ में आरोपियों ने कई वारदातों की जानकारी दी है, साथ ही पुलिस ने उनकी निशानदेही पर करीब 8.59 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। पुलिस को उम्मीद है कि इनसे जुड़ी और भी वारदातों का खुलासा जल्द ही होगा।

आंगनबाड़ी बच्चों के मध्याह्न भोजन की राशि स्वीकृत करने के बदले मांगी 4000 रुपए की रिश्वत, लोकायुक्त ने रंगे हाथ पकड़ा

धार । महिला एवं बाल विकास विभाग धार की एक सुपरवाइजर को स्व-सहायता समूह की संचालक से रिश्वत लेते हुए इंदौर लोकायुक्त टीम ने मंगलवार को रंगेहाथ पकड़ लिया। अधिकारी पर आरोप है कि उसने आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन की राशि स्वीकृत करने के बदले पैसों की मांग की थी। ग्राम भमोरी, तहसील कुक्षी निवासी सुशीला बघेल राधाकृष्ण स्व-सहायता समूह की संचालक हैं। उनका समूह बीते छह वर्षों से आंगनबाड़ी केंद्रों में मध्याह्न भोजन बनाने और वितरित करने का कार्य कर रहा है। इस कार्य के लिए शासन द्वारा प्रतिमाह 9,000 की राशि समूह के खाते में महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से डाली जाती है। आरोप है कि विभाग की पर्यवेक्षक (एवं अतिरिक्त प्रभार परियोजना अधिकारी) पुष्पा बेनल ने मार्च और अप्रैल 2025 की बकाया राशि डालने तथा मई माह की राशि स्वीकृत करवाने के एवज में 6,000 की रिश्वत मांगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी, माझी जाति का आरक्षण समाप्त होने के बाद भी नौकरी कर रहे हैं ढाई हजार कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में माझी जाति का जनजाति में प्रमाण पत्र बनवाकर लगभग ढाई हजार व्यक्ति सरकारी नौकरी कर रहे हैं। दरअसल, इन्होंने धीवर, कहार, भोई, केवट, मल्हार निषाद आदि के आधार पर जनजाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र बना लिया और सरकारी नौकरी भी पा ली। इतना ही नहीं, सरकार ने इन्हें संरक्षण देने का आदेश भी निकाल दिया।

इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि ये जातियां जनजाति वर्ग में नहीं मानी जा सकतीं, इसलिए इन्हें जनजाति वर्ग का आरक्षण समाप्त किया जाए। बावजूद इसके सामान्य प्रशासन विभाग ने अपना आदेश नहीं बदला है। जनवरी 2018 से यह आदेश प्रभावी है। इससे पहले वर्ष 2013 में भी सामान्य प्रशासन विभाग ने एक आदेश जारी कर माझी जाति के प्रमाण पत्र के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया था।

2003 में केंद्र ने तीन जातियों को कर दिया था बाहर साल 2003 में केंद्र सरकार ने तीन जातियों कीर, मीणा और पारधी को अनुसूचित जनजाति से बाहर कर दिया था। उस समय मध्य प्रदेश में 46 जातियों को अनुसूचित जनजाति का आरक्षण प्राप्त था। इन तीन जातियों को अनुसूचित जनजाति वर्ग से बाहर कर अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया था। इसके बाद इन जाति के प्रमाण पत्रों से जनजाति का आरक्षण प्राप्त कर नौकरी पाने वालों के जाति प्रमाण पत्र निरस्त किए गए थे। कई लोग नौकरी से बाहर भी किए गए। हालांकि राजस्थान में यह जाति एसटी वर्ग में आती है।

सरकार और याचिकाकर्ता का पक्ष-सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता रामप्रकाश पहारिया ने कहा कि धीवर, कहार, भोई, केवट, मल्हार, निषाद जनजाति वर्ग में नहीं, अन्य पिछड़ा वर्ग में अधिसूचित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में राज्यों को आदेश जारी कर कहा है कि इन जातियों के लोगों को जनजाति वर्ग का आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाए। इसके बाद भी मध्य प्रदेश में यह जातियां जनजाति वर्ग के आरक्षण का लाभ शिक्षा और शासकीय नौकरी में ले रही है। वहीं, सामान्य प्रशासन विभाग मप्र में अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि सरकार द्वारा माझी जाति के शासकीय सेवकों की सेवाएं निरंतर जारी रखने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का क्या आदेश है, यह मुझे देखने में नहीं आया है, मैं देखकर ही कुछ कह पाऊंगा।

गर्मी की छुट्टियां और ट्रेनों में लंबी वेटिंगज यात्रियों का उत्साह ठंडा

ग्वालियर। समर वेकेशन शुरू होते ही लोगों ने घूमने-फिरने की योजना बना ली है, लेकिन ट्रेन में कंफर्म टिकट न मिलने की समस्या ने उनका सारा उत्साह ठंडा कर दिया है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से जम्मू, चंडीगढ़, देहरादून, कुल्लू-मनाली जैसे पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग की लाइन 50 से 100 तक जा पहुंची है।

कई ट्रेनों में तो स्लीपर, थर्ड एसी और सेकंड एसी में एक भी सीट उपलब्ध नहीं है। ग्वालियर से जम्मू की ओर जाने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ है। 15 जून तक मालवा एक्सप्रेस में कोई सीट नहीं है। जम्मू मेल में 20 जून तक स्लीपर क्लास में 40 से अधिक वेटिंग चल रही है। वहीं हिमसागर और झेलम एक्सप्रेस में भी 15 जून तक एक भी सीट खाली नहीं है। चंडीगढ़ रूट पर भी यही हाल द्य कुल्लू-मनाली घूमने वालों के लिए ग्वालियर से चंडीगढ़ तक जाने वाली ट्रेनों में भी वेटिंग की मारामारी है।

अतिवृष्टि तथा बाढ़ से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए एहतियात के रूप में पुख्ता इंतजाम

कलेक्टर आशीष सिंह ने ली पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक

इंदौर। इंदौर जिले में मानसून काल की निकटता को दृष्टिगत रखते हुए अतिवृष्टि तथा बाढ़ से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिये आपदा प्रबंधन के संबंध में चर्चा हेतु आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने एहतियात के रूप में किए जा रहे इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में अभी से ऐसी तैयारियां रखी जाए जिससे कि आपदा से त्वरित रूप से निपटने में मदद मिले। बैठक में तय किया गया कि वर्षाकाल के दौरान जिले के पर्यटन और पिकनिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जायेंगे। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी होगी। असुरक्षित स्थानों पर जाने के लिये प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये जायेंगे।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य तथा श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि आगामी समय में अतिवृष्टि, बाढ़ तथा इससे उत्पन्न स्थितियों से निपटने के लिए एहतियात के रूप में पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पूर्व सूचना तथा आकस्मिक स्थिति के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर कार्यालय, नगर निगम, पुलिस मुख्यालय, एमपीईबी सहित अन्य कार्यालयों में आपदा नियंत्रण केंद्र (कंट्रोल रूम) स्थापित किये गये है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि मानसून के दौरान बिजली की आपूर्ति सतत बनाए रखी जाए। यशवंत सागर के गेट खोलने के पूर्व नागरिकों को पूर्व सूचना दी जाए। खदानों में विशेष निगरानी रखी जाए तथा उनके संचालकों से फेंसिंग कराई जाए। शहर में पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था रखें। जलजमाव वाले स्थानों को पूर्व से चिन्हित कर एहतियात के रूप में तैयारी रखें। पूल और पुलियाओं पर विशेष ध्यान रखें। वहां चेतावनी संबंधी बोर्ड भी लगाए जाएं। तालाबों के पाल की मरम्मत पर भी विशेष ध्यान दिया जाये।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा है कि पहुंच विहीन गांवों की सूची पूर्व से ही तैयार कर लें तथा वहां पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का भंडारण किया जाए। बैठक में बताया गया कि होमगार्ड द्वारा पर्याप्त संख्या में बचाव एवं राहत दल बनाए जा रहे हैं। बैठक में बताया गया कि विकासखंड मुख्यालयों पर भी बचाव एवं राहत दल मौजूद रहेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि मानसून के दौरान शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बनाए रखी जाए।

स्वच्छता के साथ ही कला के क्षेत्र में भी इंदौर बनेगा अव्वल

इंदौर। संस्कृति विभाग भारत सरकार के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने आज इंदौर के लालबाग, केन्द्रीय संग्रहालय आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भारत सरकार द्वारा संग्रहालय के विकास कार्यों की प्रस्तावित योजना की समीक्षा की। साथ ही संग्रहालय में संजोयी पुरातत्वीय धरोहर तथा उसके प्रदर्शन की जानकारी ली।

सचिव श्री विवेक अग्रवाल द्वारा संग्रहालय में ऑडियो गाईड व संग्रहालय भवन में प्रदर्शन व्यवस्था के संबंध में विभाग की ओर से स्क्रीप्ट तैयार करने के संबंध में निर्देश दिये गये, जिससे दर्शकों को इतिहास व पुरासामग्री की जानकारी रूचिकर रूप से प्रस्तुत की जा सके। सचिव श्री अग्रवाल द्वारा पटना संग्रहालय के अनुरूप संग्रहालय प्रदर्शन पर जोर दिया गया तथा संग्रहालय के स्टाफ तथा वास्तुविद को पटना संग्रहालय का अध्ययन किये जाने के निर्देश दिये गये। संग्रहालय के प्रस्तावित कैफेटरिया एवं सुविधा घर आदि के संबंध में भी जानकारी ली। उनके द्वारा कैफेटेरिया को भी युवाओं के अनुरूप बनाये जाने पर जोर दिया गया, जिससे अधिक से अधिक युवा संग्रहालय से जुड़ सके।

सचिव श्री अग्रवाल ने कहा कि इंदौर प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी होने के साथ-साथ साफ-सफाई में भी नंबर वन है। अब इसे कला के क्षेत्र में भी नंबर वन बनाना है।

शासकीय सेवकों की समस्याओं का समय-सीमा में होगा निराकरण

इंदौर। शासकीय सेवकों की समस्याओं के निराकरण के संबंध में आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि सभी शासकीय सेवकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो। उनके पेंशन, क्रमोन्नति, समयमान आदि का लाभ उन्हें निर्धारित समय पर मिले। इस संबंध में उनके कोई भी प्रकरण लम्बे समय तक लंबित नहीं रहे। शासकीय सेवकों को समय पर वेतन मिलना सुनिश्चित किया जाये। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव दिये और स्वत्वों के भुगतान के संबंध में आ रही समस्याएं बताई। कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने कलेक्टर श्री आशीष सिंह के प्रति आभार व्यक्त करने हुए कहा कि यह बैठक लम्बे समय बाद हो रही है। अब हमारी समस्याएं त्वरित निराकृत होंगी। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आज बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन की 10 दिन बाद पुनः समीक्षा की जायेगी। उन्होंने बैठक में कहा कि पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों के समयमान और क्रमोन्नति के प्रकरण सभी तहसीलदार समय-सीमा में सुनिश्चित करें।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

उद्यानिकी योजना के वार्षिक लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण करें - संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में गत दिवस उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग में फसल उत्पादन संबंधी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि उत्पादन एवं उद्यानिकी योजना के वार्षिक लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण करें। सभी फसल उत्पादकों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करायें। कोई भी इच्छुक हितग्राही शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि हितग्राहियों को एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना (एमआईडीएच) के लाभ के बारे में बतायें और उन्हें इस योजना से जोड़ें। संभाग में गुलाब की खेती, झरबेरा की खेती आदि को बढ़ावा दें। साथ ही जैविक खेती-वर्मी कम्पोस्ट/वर्मीबेड को भी बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम चलायें। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय सीमा में योजनाबद्ध रूप से कार्य करें। कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले के 56 ग्रामों में 15 से 30 जून तक लगेंगे शिविर

हितग्राहियों को 18 विभागों की 25 योजनाओं का मिलेगा लाभ

इंदौर। जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और शासकीय योजनाओं के समावेशी लाभ वितरण को दृष्टिगत रखते हुए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में 15 जून से 30 जून तक विकास शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ लक्षित हितग्राहियों को प्रदान करना है। अभियान के अंतर्गत जिले के डॉ. अंबेडकर नगर महू विकासखंड के 52 ग्राम तथा इंदौर विकासखंड के 4 ग्रामों सहित कुल 56 ग्रामों का चयन किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि शिविरों के माध्यम से 18 विभागों की 25 प्रमुख योजनाओं का लाभ आमजन को एक ही स्थल पर उपलब्ध कराया जाएगा। शिविरों में जिन विभागों की सेवाएं मिलेंगी उनमें ऊर्जा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, महिला एवं बाल विकास, आयुष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, स्कूल शिक्षा, कृषि, मत्स्य तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग शामिल है। हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, गृह विद्युतीकरण, ऑफ-ग्रिड सोलर कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन खाता, टीकाकरण आदी।

राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय तात्या टोपे की मदद की

इंदौर। विरासत से विकास और अपने जनजातीय नायकों को सम्मान देने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन के सूत्र वाक्य के तहत मंगलवार 3 जून को पचमढ़ी में होने वाली बैठक में राजा भभूत सिंह के शौर्य तथा पराक्रम को याद किया जाएगा। पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने जल, जंगल, जमीन एवं अपने क्षेत्र को बाहरी आक्रांताओं तथा अंग्रेजों से बचाए रखने के लिए समाज को एकजुट कर अंग्रेजी शासन का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे की मदद भी की। वे तात्या टोपे के आह्वान पर देश की आजादी की मशाल लेकर सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में निकल पड़े। उन्होंने सतपुड़ा की वादियों में आजादी की मशाल जलाई। राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों की आँख में धूल झोंकते हुए अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में तात्या टोपे के साथ ऋषि शांडिल्य की पौराणिक तपोभूमि सांडिया के पास नर्मदा नदी पार की। भभूत सिंह और तात्या टोपे ने नर्मदांचल में आजादी के आंदोलन की योजना बनाई। पचमढ़ी में सतपुड़ा की गोद में तात्या टोपे ने अपनी फौज के साथ भभूत सिंह से मिलकर 8 दिनों तक पड़ाव डाला और आगे की तैयारी करते रहे। हर्राकोट के जागीरदार भभूत सिंह का जनजातीय समाज पर बहुत अधिक प्रभाव था। उन्होनें जनजातीय समाज को स्वतंत्रता आंदोलन के लिए तैयार किया। राजा भभूत सिंह को सतपुड़ा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे की जानकारी थी, जहाँ उन्होंने जनजातीय समाज को एकजुट कर उनके साथ मिल कर गौरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह का रणकौशल ज़बरदस्त था। वह पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज़ फौज पहाड़ी रास्तों से परिचित नहीं थी। भभूत सिंह की फौज अचानक उन पर हमला करती और गायब हो जाती। इससे अंग्रेज बहुत ज्यादा परेशान रहने लगे। ऐतिहासिक संदर्भों से ज्ञात होता है कि राजा भभूत सिंह का रणकौशल शिवाजी महाराज की तरह था। शिवाजी महाराज की तरह राजा भभूत सिंह सतपुड़ा पर्वतों के हर पहाड़ी मार्ग से वाकिफ थे। जब देनवा घाटी में अंग्रेजी मिलिट्री और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी के साथ राजा भभूत सिंह का युद्ध हुआ तो अंग्रेजी सेना बुरी तरह पराजित हो गई। इस संबंध में एलियट लिखते हैं कि भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही मद्रास इन्फेंट्री को बुलाना पड़ा था। राजा भभूत सिंह अपनी सेना के साथ 1860 तक लगातार अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष करते रहे। अंग्रेज पराजित होते रहे। वे सन 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों की नाक में दम करने वाले के रूप में भी जाने जाते हैं। राजा भभूत सिंह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के सहयोगी थे।

इंदौर शहर के चिन्हित ब्लेक स्पाट पर होंगे तकनीकी सुधार, मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था के कार्य

इंदौर। इंदौर शहर के यातायात सुधार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे है। इसके लिये जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाया जायेगा। इस मुहिम के तहत सड़कों और फुटपाथ पर सामग्री रखी होने पर उन्हें जप्त की जायेगी। यातायात बाधित करने वाले ठेलों और अन्य वाहनों जप्त किया जायेगा। वाहनों से सामग्री बेचने वाहनों की पंजीयन निरस्त किये जायेंगे। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये इंदौर शहर के चिन्हित ब्लेक स्पाट पर तकनीकी सुधार, मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था के कार्य किये जायेंगे। शहर के अनेक चौराहों के लेफ्ट टर्न चौड़े किये जायेंगे।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, ट्रॉफिक डीसीपी श्री अरविंद तिवारी, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य तथा श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

आज आरंभ होगी क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा

निगम ने पूर्ण के समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के सानिध्य में प्रतिवर्ष निकाले जाने वाली क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा इस वर्ष भी गंगा दशमी के अवसर पर 4 एवं 5 जून को निकाली जाएगी। क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सम्मिलित होने वाले श्रृद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम द्वारा आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशानुसार परिक्रमा मार्ग पर निगम से संबंधित आवश्यक कार्यो को पूर्ण किया गया है, जिसके अंतर्गत यात्रा मार्ग की साफ सफाई, मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य, मार्ग की धुलवाई का कार्य, सौंदर्य करण को दृष्टिगत रखते हुए वॉल पेंटिंग, रंगाई पुताई, आयोजन स्थल को दृष्टिगत रखते हुए टेंट, शामियाने, स्वागत द्वार, होर्डिंग, साज सज्जा, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, प्रकाश व्यवस्था इत्यादि अन्य समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं समय पूर्ण सुनिश्चित की गई

आयुक्त आशीष पाठक द्वारा सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के अन्तर्गत सम्पूर्ण यात्रा मार्ग जो की निगम सीमा में आता है वहां विशेष रूप से मॉनिटरिंग करते रहे ताकि परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या ना आए इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भी तैनात किया गया है जो अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ निगरानी का कार्य करेंगे।

उज्जैन में शिप्रा तीर्थ परिक्रमा-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनवरत भागीदारी

उज्जैन। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में शामिल होने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 तारीख को उज्जैन पहुंचेंगे। पिछले 21 वर्षों से इस यात्रा में भाग लेते आ रहे डॉ. यादव ने इसकी शुरुआत स्वयं की थी, जिससे यह परिक्रमा खास महत्व रखती है।

अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने इस मौके पर शिप्रा माता के महत्व को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री को 'विकास पुरुष' की उपाधि दी। उन्होंने कहा कि इस परिक्रमा का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को शिप्रा नदी की पवित्रता और संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

हर वर्ष गंगा दशहरा के एक दिन पूर्व होने वाली इस परिक्रमा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हरी झंडी दिखाते हैं और इसके समापन पर भव्य चुनरी चढ़ाते हैं। इस वर्ष भी देशभर से साधु संतों के शामिल होने की संभावना है, जिनका सम्मान करने के लिए मुख्यमंत्री के भाई निलेश यादव उपस्थित रहेंगे।

हरी गिरी ने शिप्रा नदी के महत्व को बताते हुए कहा कि यह नदी कभी सूखने वाली नहीं है, और मुख्यमंत्री इसके संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इस बार घाट निर्माण के महत्व को भी रेखांकित किया। यज्ञ में भागीदारी करने आए साधु संत और सिंहस्थ को सफल बनाने की दिशा में अपने विचार साझा किए। यज्ञ का समापन गंगा दशहरे पर होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति की भी संभावना है। यह यात्रा और यज्ञ उज्जैन के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी में स्नान और तर्पण का अवसर प्रदान करता है।

चार दिवसीय शिक्षक अभ्यास वर्ग आज से

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लोकमान्य तिलक शिक्षण समिति एवं सांस्कृतिक न्यास द्वारा शिक्षकों के शैक्षणिक प्रशिक्षण हेतु चार दिवसीय अभ्यास वर्ग का आयोजन किया जा रहा है।

आज 4 जून को प्रातः 8 बजे अभ्यास वर्ग का उद्घाटन होगा वहीं समापन 7 जून को होगा। अभ्यास वर्ग के अंतर्गत विभिन्न सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्था के सचिव विश्वनाथ सोमण ने बताया कि इस हेतु अभ्यास वर्ग में प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों की तीन समूहों यथा देवी अहिल्या समूह, छत्रपति शिवाजी समूह एवं गुरु तेगबहादुर सिंह समूह की रचना की गई है। प्रशिक्षण कार्य पुणे महानगर की सुविख्यात 'ज्ञान प्रबोधिनी संस्थान' द्वारा संपादित किया जाएगा।

श्रीमार्कण्डेश्वर महादेव पर 2 दिवसीय शिवगंगा दशहरा उत्सव आज से

उज्जैन। अंकपात क्षेत्र विष्णु सागर स्थित श्री मार्कण्डेश्वर महादेव पर उज्जयिनी महाकाल तंत्र साधना पीठ शिक्षण धार्मिक एवं सामाजिक संस्थान के तत्वावधान में 2 दिवसीय गंगा प्राकट्य उत्सव आज बुधवार से प्रारंभ होगा।

सर्वप्रथम संस्थान के अध्यक्ष ब्रह्मऋषि जय गुरु के सानिध्य में विष्णु सागर का पूजन कर श्री मार्कण्डेश्वर महादेव और श्री नृत्याकार हनुमान जी महाराज का 11 ब्राह्मणों द्वारा विविध प्रकार की औषधियों और रसों से लघुरुद्र अभिषेक कर आरती की जाएगी। संस्थान के सचिव यश पंड्या और सदस्य नितेश मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार से दो दिवसीय उत्सव प्रारंभ किया जाएगा। पश्चात 5 जून गुरुवार को गंगा माता के प्राकट्य उत्सव (गंगा दशहरा) पर भगवान श्री मार्कण्डेश्वर महादेव का 51 लीटर दूध, दुर्लभ जड़ी बूटियों, औषधियों, गंगा जल, केसर, विभिन्न प्रकार के फलों के रस से महारुद्राभिषेक किया जाएगा। शाम 7 बजे महाआरती और भंडारा किया जाएगा। संस्थान ने समस्त धर्मप्राण जनता से अधिक से अधिक संख्या में महाआरती में शामिल होकर भंडारे में प्रसादी लेने का अनुरोध किया है।

खेल मंत्रालय ने अयोग्य भारत ताइक्कांडो को अवैध मान्यता प्रदान की- प्रभात कुमार शर्मा

नेतृत्व में धोखाधड़ी और खेल संहिता का उल्लंघन हुआ है - टीएफआई

उज्जैन। राष्ट्रीय खेल प्रशासन और उचित प्रक्रिया का गंभीर उल्लंघन करते हुए 8 मई 2025 को युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवायएएस) ने भारत ताइक्कांडो को अवैध रूप से मान्यता प्रदान की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व वाला संगठन है, जिसकी खेल में कोई वैध पृष्ठभूमि नहीं है, जो भारत के राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011, ओलंपिक चार्टर के साथ-साथ न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव (सेवानिवृत्त) के निर्णय का उल्लंघन है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जिसने भारत ताइक्कांडो को आईओए द्वारा मान्यता प्राप्त करने के लिए अयोग्य ठहराया है।

टीएफआई महासचिव प्रभात कुमार शर्मा ने बताया कि एमवाईएएस ने 15 मई 2025 को टीएफआई को इस अवैध मान्यता के बारे में सूचित किया है। टीएफआई मूल टीएफआई का प्रतिनिधित्व करता है जो 1979 से आईओए और विश्व ताइक्कांडो से संबद्धता के तहत काम कर रहा है, जब तक कि 15 जुलाई 2019 को आईओए द्वारा टीएफआई के लिए एक नई सोसायटी पंजीकृत करने के लिए नामदेव शिरगांवकर के अध्यक्ष के रूप में टीएफआई के लिए एडहॉक समिति का गठन नहीं किया गया, क्योंकि टीएफआई पर टीएफआई के पंजीकरण प्रमाण पत्र पर दावे के बारे में मुकदमा चल रहा था। नामदेव शिरगांवकर जो भारतीय ताइक्कांडो के शीर्ष पर हैं, उन्होंनेः टीएफआई के रिकॉर्ड के अनुसार कभी भी एक दिन भी ताइक्कांडो का अभ्यास नहीं किया।

विश्वविद्यालय के दौरान ताइक्कांडो में प्रशिक्षण लेने का झूठा दावा किया। कुक्कीवोन (वैश्विक ताइक्कांडो प्रमाणन निकाय) को धोखा देकर डैन 2 ब्लैक बेल्ट जारी किया। जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक किसी भी एसोसिएशन के माध्यम से ताइक्कांडो से कभी नहीं जुड़े। अनुभव और साख के फर्जी दावों के साथ विश्व ताइक्कांडो और भारतीय खेल समुदाय को गुमराह किया।

आधुनिक पेंटाथलॉन खेल का प्रतिनिधित्व करने वाले आईओए के तत्कालीन संयुक्त सचिव नामदेव शिरगांवकर को एक सोसायटी पंजीकृत करने और राज्य ओलंपिक संघ (एसओए) के परामर्श से राज्य संघों का चयन करने का एक कर्तव्य सौंपा गया था, लेकिन टीएफआई/खेल को हाईजैक करने के लिए कुछ भी पालन नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप सभी पुराने और वास्तविक राज्य धारक राज्य संघ जो संबंधित एसओए और राज्य सरकार से विधिवत संबद्ध हैं, उन्हें छोड़ दिया गया है और उन्होंने नए राज्य संघ बनाए हैं। वर्तमान में एसओए और राज्य सरकार से विधिवत संबद्ध सभी पुराने और वास्तविक हितधारक राज्य संघ इस अवैध मान्यता से व्यथित हैं। इस संदर्भ में आईओए के नैतिक आयोग ने 08.02.2022 को अपना निर्णय पारित किया है। जबकि आईओए ने पहले ही कई पत्रों के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है कि भारत ताइक्कांडो सहित कोई भी ताइक्कांडो महासंघ आईओए से संबद्ध नहीं है। भारत ताइक्कांडो का पंजीकरण अभी भी मुंबई में सहायक धर्मादाय आयुक्त के समक्ष लंबित है, जो कि बॉम्बे में उच्च न्यायालय के डब्ल्यू.पी. संख्या 9476/2024 के 7 अप्रैल 2025 के आदेश से स्पष्ट है। स्थिति की गंभीरता को बढ़ाते हुए नामदेव शिरगांवकर, जिन्हें भारत ताइक्कांडो के माध्यम से मान्यता प्रदान की गई थी, के खिलाफ आईओए की आचार समिति द्वारा गंभीर नैतिक उल्लंघनों के लिए निलंबन की सिफारिश लंबित है।

पुजारीयों को जाति सूचक शब्द कह किया अपमानित, पुजारी महासंघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

उज्जैन। पिछले दिनों अखिल भारतीय पुजारी महासंघ की नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सभी वर्गो के पुजारीयो को पदाधिकारी बनाया गया है। क्योंकि जिन मंदिरों के देवता की जैसी प्रकृति रही है वहां वैसा पुजारी नियुक्त है। जिसमें एससी, एसटी, ओबीसी और ब्राह्मण वर्ग के पुजारी बंधु शामिल हैं। सबसे ज्यादा समरसता पुजारी महासंघ में हैं। लेकिन फिर भी कुछ लोग पुजारियों का अपमान करते हैं जो असहनीय है। नगर अध्यक्ष मंगल पुजारी ने बताया कि उन्हें 24 मई को मोबाइल नंबर 08989711251 से कतिपय लोग द्वारा फोन लगाकर जाति सूचक शब्दों से अपमान करते हुए कहा गया कि तुम माली हो, तुम उज्जैन नगर के पुजारियों के अध्यक्ष कैसे बन गए? ब्राह्मण पुजारी क्या मर गए हैं? जो तुम्हे अध्यक्ष बनाया गया, तुम माली हो शासकीय मंदिर पर पुजारी कैसे बन गए। मैं आरटीआई लगाकर तुम्हारी शिकायत करूंगा। हमारे अन्य पदाधिकारियों को भी जातिसूचक शब्दों से संबोधित किया है। चौबीस खंभा और भूखी माता के मंदिर के दलित पुजारी जो हमारे साथी हैं उनके लिए भी यह कहा गया कि वहां के दलित पुजारियों को भी मैं हटाने की कार्यवाही करूंगा क्योंकि वंश परंपरा समाप्त हो चुकी हैं। जब हमने उक्त नंबर की जानकारी निकली तो यह नंबर जयराज चौबे का निकला जो अपनी पत्नी सारिका गुरु के साथ मिलकर नगर के मंदिरों में जाकर पुजारियों को डरते हैं धमकाते हैं और मंदिर से हटाने की धमकी देते है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com